सीआइएमपी : क्लस्टर आधारित उत्पादकता पर जोर

पटना . राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह के अवसर पर सीआइएमपी परिसर में राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, डीपीआइआइटी और सीआइएमपी द्वारा सम्मेलन आयोजित किया गया. मुख्य अतिथि विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह ने कहा कि बिहार का वास्तविक विकास गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार सशक्तिकरण से होगा. उन्होंने एमएसएमइ, कृषि और स्थानीय उद्यमों को समावेशी विकास का आधार बताया. एनपीसी की महानिदेशक नीरजा शेखर ने क्लस्टर आधारित उत्पादकता और नवाचार को महत्वपूर्ण बताया. सीए आशीष रोहतगी ने उद्योग संघों की नीति संवाद में भूमिका रेखांकित की. डॉ संजीव के जैन ने प्लास्टिक व सामग्री प्रौद्योगिकी में नवाचार को उद्योगों के लिए आवश्यक बताया.

Prabhat Khabar ! Page.No-09 ! Dated:19-02-2026

नवाचार और एमएसएमई को सशक्त बनाने पर मंथन

सीआईएमपी

स्थानीय उद्यमों को मजबूत कर समावेशी विकास का मॉडल बनेगा बिहार

पटना, कार्यालय संवाददाता। राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी), डीपीआईआईटी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान (सीआईएमपी) के तत्वावधान में बुधवार को सीआईएमपी परिसर में सम्मेलन का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित सम्मेलन का विषय था 'विकास के इंजन के रूप में क्लस्टर : एमएसएमई में उत्पादकता को अधिकतम करना 2047 तक विकसित भारत की ओर'। इसमें बिहार में क्लस्टर नवाचार और एमएसएमई को सशक्त बनाने पर विशेषज्ञों ने मंथन किया।

सीआईएमपी के सीएओ और पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री बिहार चैप्टर के अध्यक्ष कुमोद कुमार ने एमएसएमई को सतत विकास की रीढ़ बताया। मुख्य अतिथि बिहार के विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह (आईएएस) ने कहा कि बिहार की प्रगति का सही माप जमीनी स्तर पर लोगों के सशक्तीकरण में निहित है। कहा कि स्थानीय उद्यमों को मजबूत करके बिहार समावेशी विकास का मॉडल बन सकता है।

एनपीसी की महानिदेशक नीरजा शेखर (आईएएस) ने क्लस्टरों को उत्पादकता और नवाचार की जीवनरेखा बताया। मौके पर निदेशक प्रो. (डॉ.) राणा सिंह, एमएसएमई डीएफओ पटना की सहायक निदेशक श्वेता एम देवताले, सीए आशीष रोहतगी, संयुक्त निदेशक डॉ. संजीव के. जैन, एनपीसी के क्षेत्रीय निदेशक जेके सिंह और बीके सिन्हा आदि रहे।

Hindustan ! Page.No-08 ! Dated:19-02-2026

गांव-कस्बों से होनी चाहिए सतत विकास की शुरुआत

कार्यक्रम का उद्घाटन करते विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह, राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद की महानिदेशक नीरजा शेखर, सीआइएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह व अन्य ● सौः संस्थान

जागरण संवाददाता, पटनाः बिहार की प्रगति का सही माप केवल बड़े पैमाने पर अवसंरचना या औद्योगिक विकास में नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर लोगों के सशक्तीकरण में निहित है।

सतत विकास की शुरुआत हमारे गांवों और छोटे कस्बों से होनी चाहिए, जहां शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के क्षेत्र में हर पहल समृद्धि की लहर पैदा करती है। लघु एवं मध्यम उद्यमों, कृषि और स्थानीय उद्यमों को मजबूत करके बिहार समावेशी विकास का एक ऐसा मॉडल बना सकता है, जो समुदायों का उत्थान करे और यह सुनिश्चित करे कि विकास अंतिम छोर तक पहुंचे। ये बातें बुधवार को सीआइएमपी परिसर में विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह ने कहीं।

राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह समारोह के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी), डीपीआइआइटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और सीआइएमपी ने राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह समारोह के उपलक्ष्य में संयुक्त रूप से सम्मेलन का आयोजन किया। राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद की महानिदेशक नीरजा शेखर ने कहा कि क्लस्टर उत्पादकता और नवाचार की जीवनरेखा हैं। सीआइपीइटी बिहटा के संयुक्त निदेशक व प्रमुख डा. संजीव के जैन ने कहा कि प्लास्टिक और सामग्री प्रौद्योगिकी में नवाचार आधुनिक उद्योग के लिए केंद्रीय महत्व रखता है।

पटना स्थित राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) के क्षेत्रीय निदेशक जेके सिंह ने कहा कि उत्पादकता सतत विकास की आधारशिला है।

Dainik Jagran ! Page.No-20 ! Dated:19-02-2026

बिहार के जमीनी विकास और क्लस्टर नवाचार पर मंथन

पटना (आससे)। राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी), डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार तथा चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआईएमपी) के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह के अवसर पर बुधवार को सीआईएमपी परिसर में एक महत्वपूर्ण सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का विषय था— 'विकास के इंजन के रूप में क्लस्टर- एमएसएमई में उत्पादकता को अधिकतम करना प्रतिस्पर्धी क्लस्टरों के माध्यम से 2047 तक विकसित भारत की ओर।' कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। सीआईएमपी के मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी श्री कुमोद कुमार ने स्वागत भाषण में कहा कि एमएसएमई राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और रोजगार सृजन के साथ समावेशी विकास को गति देने की अपार क्षमता रखते हैं। मुख्य अतिथि बिहार के विकास आयुक्त श्री मिहिर कुमार सिंह, आईएएस ने कहा कि बिहार की वास्तविक प्रगति जमीनी स्तर पर लोगों के सशक्तिकरण से ही संभव है। गांवों और छोटे कस्बों में शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के क्षेत्र में पहल से सतत विकास की मजबूत नींव रखी जा सकती है। एनपीसी की महानिदेशक श्रीमती नीरजा शेखर, आईएएस ने क्लस्टरों को उत्पादकता और नवाचार की जीवनरेखा बताते हुए कहा कि सहयोग, ज्ञान-साझाकरण और क्षमता निर्माण से इन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाया जा सकता है। सम्मेलन में उद्योग, शिक्षा और नीति क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने भाग लिया तथा 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में एमएसएमई क्लस्टरों की भूमिका पर व्यापक चर्चा की गई। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

AAJ ! Page.No-05 ! Dated:19-02-2026

सीआईएमपी : बिहार की प्रगति बड़े उद्योग और इंफ्रास्ट्रक्चर से नहीं मापी जा सकती

पटना|राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, डीपीआईआईटी और सीआईएमपी की ओर से राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह के अवसर पर बुधवार को सीआईएमपी परिसर में सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि बिहार के विकास आयुक्त मिहिर सिंह ने कहा कि बिहार की प्रगति केवल बड़े उद्योग और इंफ्रास्ट्रक्चर से नहीं मापी जा सकती, बल्कि गांवों और छोटे कस्बों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के जरिए लोगों को सशक्त बनाना ही असली विकास है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई, कृषि और स्थानीय उद्यमों को मजबूत करके बिहार समावेशी विकास का मॉडल बन सकता है।

Dainik Bhaskar ! Page.No-06 ! Dated:19-02-2026